न्यूज डायरी

वर्ष 2020 का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव सबसे महंगा चुनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका में इस वर्ष हो रहा राष्ट्रपति चुनाव देश के इतिहास का सबसे महंगा चुनाव बनने जा रहा है। इस चुनाव में पिछले राष्ट्रपति चुनाव के मुकाबले दोगुनी राशि खर्च होने का अनुमान है। इस बार करीब 14 अरब डॉलर खर्च होने की उम्मीद है। शोध समूह 'द सेंटर फॉर रेस्पॉनसिव पॉलिटिक्स' ने कहा कि मतदान से पहले के आखिरी महीने में राजनीतिक चंदे में भारी वृद्धि हुई है। समूह ने कहा कि इसकी वजह से इस चुनाव में जो 11 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान लगाया गया था, वह पीछे छूट गया है। शोध समूह ने कहा कि वर्ष 2020 के चुनाव में 14 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है जिससे चुनाव में खर्च के पुराने सभी रेकॉर्ड ध्वस्त हो रहे हैं। समूह के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन अमेरिकी इतिहास के पहले प्रत्याशी होंगे जिन्होंने दानकर्ताओं से एक अरब डॉलर की राशि प्राप्त की।

नागोर्नो–काराबाख में आर्मीनिया और अजरबैजान में फिर भड़की जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) येरेवान/बाकू। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद आर्मीनिया और अजरबैजान के हुआ मानवीय युद्धविराम अब खत्म होता नजर आ रहा है। आर्मीनिया और अजरबैजान दोनों ने ही एक–दूसरे पर भीषण हमले करने का आरोप लगाया है। अजरबैजान की सरकार ने कहा है कि नागोर्नो–काराबाख के पास आर्मीनिया की ओर से किए गए मिसाइल हमले में 21 लोगों की मौत हो गई है। उधर, आर्मीनिया ने आरोप लगाया है कि अजरबैजान की सेना लगातार रॉकेट से हमले कर रही है जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं। आर्मीनिया ने कहा कि अजरबैजान की सेना नागोर्नो–काराबाख के नागरिकों के इलाके में हमले कर रही है। इस बीच रूस की संवाद एजेंसी रिया नोवोस्ती ने आर्मीनिया के प्रधानमंत्री के हवाले से इस बात की पुष्टि की है कि रूसी सीमा रक्षक नागोर्नो–काराबाख में आर्मीनिया की सीमा पर तैनात किए गए हैं। आर्मीनिया के पीएम ने कहा कि रूसी सीमा रक्षकों की तैनाती में कुछ भी विशेष नहीं है।

बुर्का उतारता दिखाने पर तुर्की के राष्ट्रपति आगबबूला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। फ्रांस की साप्ताहिक मैगजीन शार्ली एब्दो के तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगान के विवादित अधनंगे कार्टून से तुर्की में बवाल मच गया है। इस कार्टून में अधनंगे नजर आ रहे एर्दोगान एक महिला का शरीर देखने के लिए बुर्का उतार रहे हैं। एर्दोगान ने इस कार्टून को बनाने वालों को दुष्ट करार दिया है। उधर, ईरान ने फ्रांस को धमकी दी है कि पैगंबर का अपमान करने से रक्तपात को बढ़ावा मिलेगा। शार्ली एब्दो के इस कार्टून के सामने आने के बाद एर्दोगान ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश इस्लाम पर हमला करके एक बार फिर से क्रूसेड (धर्मयुद्ध) शुरू करना चाहते हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, मैं इन दुष्टों के बारे में कुछ नहीं कहूंगा जिन्होंने इतने बड़े पैमाने पर हमारे पैगंबर को अपमानित किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही घिनौना हमला है।

फिलाडेल्फिया में पुलिस फायरिंग में अश्वेत की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फिलाडेल्फिया। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले अश्वेत नागरिक की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। फिलाडेल्फिया की सड़कों पर हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जगह–जगह आगजनी और हिंसा की घटनाएं सामने आईं। हालात बेकाबू होते देख प्रशासन ने पूरे शहर में कर्फ्यू लागू कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। बता दें कि पुलिस फायरिंग में 27 साल के शख्स की जान चली गई। परिवार का कहना है कि वह मानसिक रूप से बीमार था। इससे पहले व्यापक हिंसक प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने 7 जिलों के लोगों से घर पर ही रहने की अपील की। पश्चिम फिलाडेल्फिया में दो पुलिस अधिकारियों ने चाकू से लैस वॉल्टर वॉलेस जूनियर नाम के शख्स को गोली मार दी थी।

इमरान खान को तुर्की से दोस्ती पड़ी भारी

चेतावनी

कश्मीर पर सऊदी अरब, ईरान ने दिया बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सत्ता में आने के बाद से ही मुस्लिम देशों के बल पर कूद रहे प्रधानमंत्री इमरान खान को शिया और सुन्नी दोनों ही गुटों से कश्मीर के मुद्दे पर बड़ा झटका लगा है। सऊदी अरब और ईरान ने अपने देश में स्थित पाकिस्तानी दूतावासों को 27 अक्टूबर को जम्मू–कश्मीर के भारत में विलय के दिन पर काला दिवस मनाने की अनुमति नहीं दी। सऊदी अरब और ईरान के अपने पिछले रुख से पीछे हटने के बाद पश्चिम एशिया से पाकिस्तान को बड़ी निराशा हाथ लगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि ईरान में पाकिस्तानी दूतावास ने तेहरान यूनिवर्सिटी में काला दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम करने का प्रस्ताव दिया था। पाकिस्तान के इस कदम पर ईरान ने आश्चर्यजनक तरीके से इस्लामाबाद को अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तानी दूतावास को केवल एक ऑनलाइन सेमिनार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

आर्टिकल 370 के खात्मे पर समर्थन हासिल करने में असफलः ईरान के इस झटके से साफ हो गया कि पाकिस्तान आर्टिकल 370 के खात्मे पर मुस्लिम देशों का भी समर्थन हासिल करने में असफल साबित हो रहा है। यही नहीं पाकिस्तान के सऊदी अरब की राजधानी रियाद में कार्यक्रम आयोजित करने को अनुमति नहीं मिली। विश्लेषकों का मानना है कि प्रभावशाली मुस्लिम देशों सऊदी अरब और ईरान से पाकिस्तान को मिला झटका इस इलाके में बदलते समीकरण को दर्शाता है।

दरअसल, कभी सऊदी के पैसे पर पलने वाले पाकिस्तान ने अब तुर्की को अपना आका बना लिया है। यही नहीं पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने पिछले दिनों तुर्की के साथ मिलकर सऊदी अरब से अलग एक और इस्लामिक गुट बनाने की चेतावनी दी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगान पश्चिम एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए 500 साल पहले के ऑटोमन साम्राज्य की तर्ज पर देश को ले जाने में जुटे हुए हैं।

तुर्की और सऊदी अरब दोनों सुन्नी देशों के बीच तनावः इसी वजह से तुर्की और खुद को मुस्लिमों का अगुवा मानने वाले सऊदी अरब दोनों सुन्नी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान और तुर्की के बीच बढ़ती दोस्ती पिछले दिनों एफएटीएफ की बैठक में देखने को मिली थी। तुर्की एकमात्र ऐसा देश था जिसने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटाने का समर्थन किया था। पाकिस्तान और तुर्की आर्मीनिया–अजरबैजान की जंग में खुलकर बाकू का समर्थन कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की रैली में पहुंचा एफ–16 फाइटर जेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक यात्री विमान एरिजोना में चुनावी रैली स्थल के बेहद करीब पहुंच गया। प्रतिबंधित हवाई इलाके में यात्री विमान के आने पर अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस हरकत में आई और तत्काल यूएस एयरफोर्स ने अपने एक एफ–16 फाइटर जेट विमान को दौड़ाया गया। रैली स्थल पर फाइटर जेट को देखकर ट्रंप भी अचंभे में आ गए।

एफ–16 जेट ने आग की लपटें छोड़कर यात्री विमान को भागने के लिए मजबूर कर दिया। अमेरिकी वायुसेना के एक प्रवक्ता जॉन कोरनेलिओ ने कहा कि एफ–16 को एक छोटे से प्लेन की जानकारी लेने के लिए भेजा गया था। उन्होंने कहा कि यह विमान राष्ट्रपति ट्रंप की रैली के हवाई इलाके में आ गया था। इस छोटे से प्लेन ने पहले कोई जवाब नहीं दिया था लेकिन जब एफ–16 ने आग की लपटें छोड़ीं तो यात्री विमान के पायलट ने रेडियो पर जवाब दिया।

जॉन ने कहा कि बाद में एफ–16 ने छोटे प्लेन को रैली की हवाई सीमा से बाहर छोड़ा। रैली स्थल पर मौजूद लोगों को यह छोटा प्लेन नहीं दिखाई दिया लेकिन फाइटर जेट की आवाज से ट्रंप समेत सभी का ध्यान उस ओर चला गया।

अजूबाः दुनिया का सबसे विशाल पक्षी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजिलिस। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ऐसे विशालकाय पक्षी के जीवाश्म की पहचान की है जो लगभग पांच करोड़ साल पहले पाया जाता था। इस पक्षी के पंख 21 फुट लंबे होते थे। अंटार्कटिका से 1980 के दशक में बरामद जीवाश्म दक्षिणी समुद्रों में विचरण वाले पक्षियों के एक विलुप्त समूह के सबसे पुराने विशालकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। तुलनात्मक रूप से समुद्र के ऊपर विचरण करने वाले पक्षियों में वांडरिंग अल्बाट्रॉस को सबसे बड़ा उड़ने वाला पक्षी कहा जाता है और इनके पंख, सभी परिंदों में सबसे ज्यादा लंबे यानी साढ़े 11 फुट तक फैल सकते हैं।

फ्रांस के चर्च में तीन लोगों की निर्मम हत्या, महिला का गला काटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस। पैगंबर कार्टून विवाद में फ्रांस में टीचर की गला काटकर हत्या के बाद अब इसी तरह एक और हत्या का मामला सामने आया है। फ्रांस के एक चर्च में एक हमलावर ने एक महिला का गला काट दिया और दो अन्य लोगों की चाकू मारकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी। यह घटना फ्रांस के नाइस शहर में हुई है। शहर के मेयर ने इस खौफनाक घटना को आतंकवाद करार दिया है।

मेयर क्रिस्चियन इस्तोर्सी ने कहा कि चाकू से यह हमला शहर के नोट्रे डेम चर्च में हुई है। पुलिस ने हमलावर को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। कई अन्य घायल हो गए हैं। एक पुलिस सूत्र ने कहा कि महिला का गला काटा गया है। फ्रांस के एक नेता ने भी इस बात की पुष्टि की है कि महिला का गला काटा गया है।

फ्रांस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने कहा कि उसे इस हमले के जांच की जिम्मेदारी दी गई है। घटनास्थल पर मौजूद पत्रकारों का कहना है कि हथियारबंद जवानों ने चर्च को घेर लिया है। मौके पर एंबुलेंस और फायर सर्विस की गाड़ियां मौजूद हैं। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब कुछ समय पहले ही फ्रांसीसी टीचर की पैगंबर का कार्टून दिखाने पर हत्या कर दी गई थी।

ताइवान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ फाइटर जेट, एयरफोर्स पायलट की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान का एक F-5E लड़ाकू विमान गुरुवार सुबह एक प्रशिक्षण अभियान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन इससे वायुसेना के पुराने होते बेड़े की संभावित समस्या रेखांकित होती है। ताइवान इस समय चीन के बढ़ते खतरे का सामना कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि विमान ताइतुंग के पूर्वी काउंटी के चिहंग हवाई ठिकाने से उड़ान भरने के दो मिनट के भीतर प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मंत्रालय के मुताबिक पायलट, कैप्टन चू कुआन–मेंग को समुद्र में से निकाल तो लिया गया, लेकिन तट पर मौजूद अस्पताल ले जाए जाने के करीब एक घंटे बाद उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वर्ष 1970 के दशक की शुरुआत में बने एफ–5ई लडाकू विमान को अबतक कई बार अपडेट किया गया है। ताइवान एफ–16 के 66 विमान प्राप्त करने वाला है और वर्तमान में अमेरिका से खरीदे गए विमानों के उन्नयन में लगा हुआ है।